vinetur

फसल लगभग 1.3 करोड़ हेक्टोलिटर तक पहुंची, लेकिन ओसीतानी की वाइन सहकारी संस्थाएं कीमतें घटाने के खिलाफ

समूह का कहना है कि टैंक भरना उत्पादन के सामान्य स्तर पर लौटने का संकेत है, अतिरिक्त आपूर्ति का नहीं ; ओसीतानी फ्रांस की एक-तिहाई से अधिक वाइन बनाता है

गुरुवार, 12 नवंबर 2026



ओसीतानी की वाइन सहकारी संस्थाएं अंगूर और थोक वाइन की कीमतें घटाने की किसी भी कोशिश का विरोध कर रही हैं। क्षेत्र में 2026 की फसल फिर बढ़कर अनुमानित लगभग 1.3 करोड़ हेक्टोलिटर तक पहुंच गई है, लेकिन उनका कहना है कि सामान्य उत्पादन स्तरों पर लौटने का मतलब अतिरिक्त आपूर्ति नहीं है।

मंगलवार, 10 नवंबर को जारी बयान में Vignerons Coopérateurs d'Occitanie ने कहा कि लांगदॉक-रूसियों में फसल

लगभग 1.1 करोड़ हेक्टोलिटर और पूर्व मिदी-पिरेने क्षेत्र में 20 लाख हेक्टोलिटर तक पहुंचनी चाहिए। समूह के मुताबिक, ये मात्रा लगातार तीन साल की असाधारण रूप से कमजोर फसलों के बाद आई है और इसे उत्पादन के सामान्य स्तर पर लौटने के तौर पर देखा जाना चाहिए, न कि खरीदारों के लिए कीमतें और नीचे दबाने की वजह के रूप में।

लांगदॉक-रूसियों के लिए सहकारी संस्थाओं का अनुमान 6 नवंबर को फ्रांस के कृषि मंत्रालय के सांख्यिकी कार्यालय Agreste द्वारा जारी आंकड़ों से काफी मेल खाता है। Agreste ने 1 नवंबर तक इस क्षेत्र का उत्पादन 1.1068 करोड़ हेक्टोलिटर आंका, जो एक साल पहले से 25% अधिक है। देशभर में वाइन उत्पादन का अनुमान 3.6659 करोड़ हेक्टोलिटर था—साल-दर-साल 3% अधिक, लेकिन 2021-2025 के औसत से अब भी 10% कम।

ये आंकड़े 2026 की फसल में दक्षिणी फ्रांस के महत्व को रेखांकित करते हैं। Agreste के आंकड़ों और पूर्व मिदी-पिरेने के लिए सहकारी संस्थाओं के अनुमान के आधार पर, फ्रांस के अनुमानित वाइन उत्पादन में ओसीतानी की हिस्सेदारी एक-तिहाई से कुछ अधिक है। इससे क्षेत्र की मूल्य-निर्धारण नीति स्थानीय उत्पादकों से परे भी अहम हो जाती है, खासकर इसलिए कि यहां की वाइन का बड़ा हिस्सा थोक में या संरक्षित भौगोलिक संकेत (IGP) लेबल के तहत बिकता है। इतनी बड़ी आपूर्ति वाले क्षेत्र में कीमतें घटाने का विरोध व्यापारियों, बॉटलिंग कंपनियों और पेय कारोबार की अन्य इकाइयों के लिए खरीद की शर्तों को प्रभावित कर सकता है, जिससे पूरी आपूर्ति श्रृंखला के मार्जिन पर असर पड़ने की संभावना है।

Vignerons Coopérateurs d'Occitanie के अध्यक्ष Fabien Castelbou ने बयान में कहा कि कई बेहद छोटी फसलों के बाद उत्पादक आखिरकार सामान्य स्तरों के करीब उत्पादन पर लौट रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसे कीमतें घटाने का "बहाना" नहीं बनाया जाना चाहिए और वाइन क्षेत्र पर आगे दबाव झेलने की गुंजाइश बहुत कम बची है।

सहकारी संस्थाओं ने कहा कि उत्पादकों को अब भी ऊर्जा, पैकेजिंग, कृषि आदानों, श्रम, वित्तपोषण और पर्यावरणीय व नियामकीय आवश्यकताओं के अनुपालन की ऊंची लागत का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि बेलें हटाने और दाखबारी का पुनर्गठन करने के जरिए क्षेत्र ने अपनी उत्पादन क्षमता का एक हिस्सा पहले ही घटा दिया है। यह बात इस धारणा का प्रतिवाद करने के लिए कही गई कि इस साल टैंकों का अधिक भरा होना संरचनात्मक अतिरिक्त उत्पादन का संकेत है।

क्षेत्र में आई यह बढ़ोतरी फ्रांस की फसल में व्यापक क्षेत्रीय अंतर का भी हिस्सा है। Agreste के 1 नवंबर के अनुमान के अनुसार, देश के प्रमुख वाइन क्षेत्रों में लांगदॉक-रूसियों में सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई, जबकि शांपेन में उत्पादन एक साल पहले से 38% गिरा। अन्य क्षेत्रों में भी उत्पादन बढ़ा—दक्षिण-पश्चिम में 15%, बोर्डो में 10% और दक्षिण-पूर्व में 7%। दक्षिण में हुई बढ़ोतरी ने उत्तर में कमजोर उत्पादन की भरपाई करने में मदद की।

राष्ट्रीय स्तर पर बाजार के लिए वाइन के प्रकारों का मिश्रण भी मायने रखता है। Agreste ने फ्रांस में IGP वाइन का उत्पादन 1.201 करोड़ हेक्टोलिटर आंका, जो एक साल पहले से 18% अधिक है ; वहीं अपीलेशन वाइन 4% गिरकर 1.5042 करोड़ हेक्टोलिटर रह गई। ओसीतानी के लिए यह रुझान अहम है, जहां IGP और अंगूर-किस्म के नाम से बिकने वाली वाइन की बड़ी भूमिका है और ये अक्सर दुकानों तक पहुंचने से पहले थोक माध्यमों से गुजरती हैं।

सहकारी संस्थाओं ने 2026 के उगाने के मौसम को जल्दी शुरू हुआ, सूखा और लंबी अवधि तक फैली कटाई वाला बताया। उनके अनुसार, 2025-2026 की सर्दियों में बारिश सामान्य के करीब रही, जिससे पहले के तनाव के बाद मिट्टी और बेलों को अपने भंडार का कुछ हिस्सा फिर से पाने में मदद मिली। इसके बाद वसंत और गर्मियों में सूखा और ऊंचा तापमान लौट आया। समूह के मुताबिक, अंगूर अच्छी स्वास्थ्यकर गुणवत्ता और संतुलित पकाव के साथ आए। इसी आधार पर उसने इस विंटेज को उच्च गुणवत्ता वाला बताया, हालांकि बाजार का व्यापक आकलन बाद के स्वाद-परीक्षणों और बिक्री पर निर्भर करेगा।

यह विवाद नया वाणिज्यिक अभियान शुरू होने के साथ उत्पादकों को मिलने वाली कीमतों पर केंद्रित है, न कि उपभोक्ताओं के लिए खुदरा कीमतों में तत्काल बदलाव पर। मौजूदा आंकड़ों से ऐसा कोई संकेत नहीं मिलता कि दुकानों

में बोतलों की कीमतें अनिवार्य रूप से घटेंगी। खुदरा कीमतें अनुबंधों, भंडार और अन्य क्षेत्रों की फसल की स्थितियों के साथ-साथ उत्पादकों, सहकारी संस्थाओं, व्यापारियों और खुदरा विक्रेताओं के बीच बातचीत पर निर्भर करेंगी।

बड़ी फसल के बावजूद क्षेत्र पर दबाव बना हुआ है। Vinabox के अनुसार, सितंबर में रूसियों क्षेत्र में एक साल पहले की तुलना में चार सहकारी वाइनरी कम थीं। इससे पता चलता है कि उत्पादन में सुधार के बावजूद उद्योग के कुछ हिस्सों पर अब भी वित्तीय दबाव है।